सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 134 | जौनपुर, गुरूवार, 02 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत सीएम योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष हो रही 23–25 हजार मौतें देश व राज्य की क्षति है। यह दुर्घटनाएं जागरूकता के अभाव में होती हैं। सड़क सुरक्षा माह सिर्फ लखनऊ तक सीमित न रहे, बल्कि इसे प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सुचारू रूप से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त भी हर माह जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की बैठक हो, जिसमें पुलिस अधीक्षकध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहें। जनपद स्तर पर हुए कार्यों की प्रोग्रेस को लेकर हर तीसरे महीने शासन स्तर पर मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि उन जनपदों व स्थलों को चिह्नित करें, जहां अधिक दुर्घटनाएं संभावित हैं। इसके लिए कारणों का पता करते हुए इसके समाधान की कार्ययोजना बनाई जाए। नाबालिग ई–रिक्शा व अन्य वाहनों का संचालन न कर पाएं, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। ई–रिक्शा के रजिस्ट्रेशन की कार्रवाई सुचारू रूप से की जाए। सड़कों पर अनिवार्य रूप से साइनेज लगाए जाएं, जिससे लोगों को आवागमन में भी सहूलियत हो सके। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग कतई बर्दाश्त नहीं है। इसे स्टॉर्टिंग पॉइंट पर ही रोका जाए। एक्सप्रेस व हाइवे पर लोडेड वाहन भी खड़े रहते हैं, जो दुर्घटना का कारण बनते हैं। इन वाहनों को क्रेन के माध्यम से हटवाया जाए। हेलमेट, सीट बेल्ट तथा सड़क सुरक्षा के अन्य मानकों को अपनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाकर प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी वाहन का बार–बार चालान होने पर लाइसेंसध्परमिट निरस्तीकरण आदि की कार्रवाई की जानी चाहिए। इस कार्रवाई को अनिवार्य रूप से फॉस्टैग से जोड़ा जाए। सूचना, परिवहन व सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों की तरफ से अपील करने वाली होर्डिंग लगाई जाए। इसे सभी 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 1500 थानों व सभी नगर निकायों के बाहर भी लगाया जाए। राहगीरोंध्आमजन को जागरूक किया जाए कि दुर्घटना को देखकर भागें नहीं, बल्कि घायलों को गोल्डेन ऑवर के अंदर समीप के हॉस्पिटल या ट्रॉमा सेंटर में पहुंचाएं।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख को लिखी चिट्ठी, संदीप दीक्षित बोले वो संघी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने बुधवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को संघी बताया। दीक्षित ने ये आरोप पूर्व सीएम के आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखे पत्र को आधार बनाकर लगाया। दरअसल केजरीवाल ने भागवत को खत लिखकर वोटर लिस्ट विवाद और भाजपा पर पैसे देकर वोट खरीदने का आरोप लगाते हुए जवाब मांगा था। पूछा कि क्या आरएसएस को लगता है कि ऐसा करना भारतीय जनतंत्र के लिए सही है? क्या आपको नहीं लगता कि भाजपा इस तरह भारतीय जनतंत्र को कमजोर कर रही है? इसी चिट्ठी को लेकर कांग्रेस उम्मीदवार ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस चिट्ठी का क्या औचित्य है, मुझे समझ में नहीं आता। हम तो इस बात को काफी पहले से कहते हुए आ रहे हैं कि वो संघी हैं। पूरी तरह से संघी हैं। जाहिर सी बात है कि कोई कांग्रेसी इस तरह का पत्र तो नहीं लिखेगा। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने तर्क रखा। बोले अगर आपको दिक्कत है, तो भाजपा को पत्र लीखिए। आरएसएस को क्यों पत्र लिख रहे हैं। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि केजरीवाल का आरएसएस के साथ गहरा संबंध है। ष्इंडिया अगेंस्ट करप्शनष आंदोलन में आरएसएस ने उनका पूरी तरह से समर्थन किया था। अगर आज केजरीवाल को लगता है कि आरएसएस उनके साथ खड़ा हो रहा है या उनका समर्थन नहीं कर रहा, तो उन्होंने यह चिट्ठी लिखी हो सकती है।

भाजपा मुख्यालय में सहायक शिक्षकों का हंगामा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में अमान्य किए गए बीएड के सहायक शिक्षकों ने बुधवार को सुबह से हंगामा किया और रोषपूर्ण प्रदर्शन भी किया। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश के बाद बीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति के साथ राज्य सरकार द्वारा बीएड धारी सहायक शिक्षकों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी करते ही बवाल मच गया है। हाई कोर्ट के निर्देश पर की जा रही कार्रवाई में स्पष्ट किया गया है कि डीएड अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रारंभ किया जाएगा। बीएड धारी सहायक शिक्षक इस बात पर अड़े हुए हैं कि जब तक आदेश रद्द नहीं होता, तब तक धरने पर बैठे रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश पर सहायक शिक्षक के 2855 पदों पर योग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए आदेश दिए गए हैं, परिपालन में लोक शिक्षण संचालनालय ने बस्तर और सरगुजा संभाग के बीएड धारी सहायक शिक्षकों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया गया है।

नए साल में स्वर्णिम झारखंड बनाने का संकल्प लें : सोरेन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वर्ष 2025 के पहले दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए 'स्वर्णिम झारखंड' बनाने का संकल्प लिया। राज्य में आकर्षक पतरातू झील और झरनों समेत लोकप्रिय पर्यटन और पिकनिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "नव वर्ष 2025 के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। राज्य के अमर वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों के सपनों तथा जनता की आकांक्षाओं को साकार करते हुए हमें मिलकर स्वर्णिम झारखंड का निर्माण करना है।" उन्होंने लिखा, "हम अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचकर उसे राज्य के सर्वांगीण विकास का हिस्सा बनाने का काम करेंगे।"

भ्रष्टाचार को दिया बढ़ावा, 10 सालों में वादे भी नहीं किए पूरे : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। पार्टी ने केजरीवाल की दस प्रतिबद्धताओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि एक विचित्र संवैधानिक उदाहरण भी 2024 में देश ने देखा। जब जेल से रहकर किसी मुख्यमंत्री ने सरकार को चलाया। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल पर आरोप लगा और उन्हें जेल जाना पड़ा। हालांकि केजरीवाल जी जेल जाने वाले पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके पहले भी हेमंत सोरेन जी, मधुकोड़ा जी, लालू प्रसाद यादव जी, जयललिता जी, करूणानिधि जी... ये सब भी पद पर रहते हुए जेल गए। परंतु लालू प्रसाद यादव जी ने इतनी मर्यादा रखी थी कि उन्होंने पद छोड़ दिया था। लेकिन 2024 एक ऐसा विस्मयकारी और विचित्र उदाहरण देश को देखने को मिला कि जिन्होंने (केजरीवाल ने) जेल जाने के बाद भी मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ा। त्रिवेदी ने कहा कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। आज की राजनीति में सभी राजनीतिक दलों के बीच सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट था। उन्होंने कहा कि आम जनता के बीच यह धारणा बन गई थी कि राजनेता जो उपदेश देते हैं, उस पर अमल नहीं करते। उन्होंने कहा क पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी और एनडीए ने इस धारणा को बदला और राजनीति में विश्वसनीयता स्थापित की। दूसरी ओर, आप विपरीत चरम का प्रतिनिधित्व करती है, जहां वे हमेशा अपने वादों को पूरा करने में विफल रहते हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि आपको जानकर ये हैरानी होगी कि इतने विविधतापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप, इतने कम कालखंड में किसी पॉलिटिकल पार्टी पर नहीं लगे होंगे, जिसका उदाहरण आम आदमी पार्टी ने प्रस्तुत किया है। उनकी पार्टी (आप) के हर वरिष्ठ नेता को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में डाल दिया गया है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और संसद में पार्टी के नेता, तीनों जेल जा चुके हैं। आपने पहले कभी इतना विविध भ्रष्टाचार नहीं देखा होगा। उनके स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के लिए जेल भेजा गया, अमानतुल्ला खान को वक्फ बोर्ड में घोटाले के लिए, नरेश बाल्यान को माफिया से संबंध के लिए जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने बिजली दरें कम करने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, शिक्षा प्रणाली में सुधार करने, स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने, स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने, लैंडफिल को हटाने, महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने, झुग्गीवासियों के लिए आवास की पेशकश करने और यमुना को साफ करने का वादा किया था।

हालाँकि, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने असुरक्षित बिजली तारों से राहत दिलाने का वादा किया।

साल के पहले दिन केंद्र ने किसानों को दी बड़ी राहत, पीएम मोदी ने कर दिया ये फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डीएपी के लिए 3,850 करोड़ रुपये के एकबारगी विशेष पैकेज को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि तेजी से मूल्यांकन, तेजी से दावा निपटान और कम विवादों के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए 800 करोड़ रुपये का फंड बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि कवरेज बढ़ाने और नामांकन को आसान बनाने के लिए, पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल बनाने का फैसला किया है। मंत्री ने बताया कि पूर्वोत्तर के लिए फंडिंग पैटर्न और हिमालयी राज्यों के लिए 90:10 है, और अन्य राज्यों के लिए 50:50 है। प्रीमियम हिस्सेदारी बीमा मूल्य के 1.5: से 5: पर पूर्वनिर्धारित की गई है। 88: बीमित किसान सीमांत पृष्ठभूमि से हैं और 57: बीमित किसान हैं किसान ओबीसी, एससी और एसटी हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बैग पर डीएपी मिलता रहेगा, जिसकी कीमत अन्य देशों में 3,000 रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि इस पैकेज पर लगभग 3,850 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि 2014 से, पीएम मोदीजी ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को बाजार के उतार–चढ़ाव का खामियाजा न भुगतना पड़े।

केंद्र सरकार दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में मंदिरों को तोड़ने का प्लान बना रही : आतिशी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजधानी के अलग–अलग हिस्सों में कई मंदिरों और बौद्ध धर्म के मंदिरों को तोड़ने का प्लान तैयार कर रही है। दिल्ली में एक रिलिजियस कमेटी बनाई गई थी, जो मंदिरों की अगर शिफ्टिंग होती है या उसमें होने वाली तोड़फोड़ पर फैसला लेती है। यह कमेटी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बनाई गई थी। जो दिल्ली सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन आती है। पिछले साल तक यह रिलिजियस कमेटी कोई भी फैसला लेती थी तो दिल्ली के गृहमंत्री को इसकी रिपोर्ट दी जाती थी और उनकी अनुमति के बाद ही उस पर काम होता था। उन्होंने कहा कि पिछले साल ही दिल्ली के एलजी ने यह फरमान जारी किया था कि मंदिरों में तोड़फोड़ का मुद्दा लॉ एंड ऑर्डर से जुड़ा हुआ है, इसलिए, यह दिल्ली सरकार के अधीन नहीं बल्कि केंद्र सरकार के अधीन आता है। राजेश कमेटी की अध्यक्षता दिल्ली सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी करते हैं और प्रिंसिपल सेक्रेटरी की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है। अब जो भी फैसला लिया जाता है, वह सीधे एलजी को भेजा जाता है। आतिशी ने आरोप लगाया कि कल जब हमने चिट्ठी लिखी तब एलजी साहब के ऑफिस से कहा गया कि ऐसा कोई निर्णय मंदिर तोड़ने का नहीं लिया गया। जबकि, 22 नवंबर को रिलीजियस कमेटी की बैठक हुई है और उसमें कई मंदिर तोड़ने का फैसला लिया गया है। वेस्ट पटेल नगर, गोकलपुरी, सीमापुरी, गोकुलपुरी, न्यू उस्मान पुर, एक हनुमान जी की मूर्ति जो अंबेडकर पार्क सुल्तानपुरी में है और बौद्ध धर्म का धार्मिक स्थान जो सुंदरनगरी में है, इसे तोड़ने का फैसला लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिलिजियस कमेटी की इस मीटिंग में लिए गए फैसले के बाद इसकी फाइल केंद्र सरकार के नुमाइंदे एलजी साहब को दे दी गई है। जिसको एलजी साहब ने अप्रूवल दे दिया है। चाहे डीडीए हो, एमसीडी हो, उस इलाके के डीएम, एसडीएम हो और पुलिस के लोगों को भी इसकी जानकारी दे दी गई है और सभी इसे तोड़ने की तैयारी में वह लग गए हैं। पिछले साल भी इसी तरह पटपड़गंज इलाके के विनोद नगर में एक शनि मंदिर के एक हिस्से को केंद्र सरकार के आदेश के बाद तोड़ दिया गया था।

नए साल पर केंद्र ने दिया किसानों को तोहफा, खाद पर सब्सिडी बढ़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए साल में मोदी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक किसानों के नाम रही है। साल के पहले दिन बुधावार को हुई बैठक में डीएपी फर्टिलाइजर के लिए स्पेशल पैकेज को मंजूरी दी गई। इसके तहत फर्टिलाइजर बनाने वाली कंपनियों को सरकार की ओर से सब्सिडी भी दी जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा यह सब्सिडी (स्पेशल पैकेज) 31 दिसंबर 2025 तक दी गई है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि किसानों को डीएपी का 50 किलो का बैग 1,350 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। यह श्वन टाइम पैकेजश काफी महत्वपूर्ण है। पड़ोस के देशों में डीएपी का 50 किलो का बैग तीन हजार रुपये से ज्यादा में मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में भले ही कैसे भी स्थिति आ जाए हमें अपने किसानों को सुरक्षित करना है। उनके ऊपर बोझ नहीं डालना है। उन्होंने राज्य सरकारों से अपील की है कि डीएपी के नाम पर कुछ लोग किसानों को ठगने का प्रयास करेंगे। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर कोई ऐसा करते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस पैकेज पर लगभग 3,850 करोड़ रुपये की लागत होगी। साल 2014 से लेकर अब तक कोविड–19 का वह दौर भी आया जब स्थिति काफी खराब थी। लेकिन, हमारी सरकार और पीएम मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को बाजार के उतार–चढ़ाव का खामियाजा न उठाना पड़े। 2014–24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ रुपये थी जो 2004–14 के दौरान दी गई सब्सिडी से दोगुनी से भी अधिक है। कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025–26 तक जारी रखने को मंजूरी दी। इस निर्णय से 2025–26 तक देश भर के किसानों के लिए न रोकी जा सकने वाली प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी। इसके अलावा, योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग से पारदर्शिता और दावा गणना और निपटान में वृद्धि होगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 824.77 करोड़ रुपये की राशि के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी कोष (एफआईएटी) के निर्माण को भी मंजूरी दी है।

तेजस्वी यादव ने नववर्ष पर बिहारवासियों के नाम लिखा पत्र

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव

ने नववर्ष के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम पत्र लिखा है। तेजस्वी ने अपने पत्र में लिखा, "मेरे प्रिय बिहारवासियों, सभी को नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं। आज हम सभी नववर्ष 2025 में प्रवेश कर रहे है। मेरा आपसे वादा है कि भविष्य में जब–जब भी बिहार की विकासगाथा का इतिहास पढ़ा जाएगा।साल 2025 का नाम एक ऐसे वर्ष के रूप में अवश्य याद किया जाएगा जिसने बदलाव एवं नए बिहार के नव निर्माण की नींव रखी। ये बिहार के सुनहरे सपनों को सच करने वाला साल है। बिहार का हर वर्ग, हर धर्म, हर जाति, हर युवा, महिला, बुजुर्ग, मजदूर, किसान, व्यापारी, कर्मचारी नव–वर्ष के साथ ये शपथ ले चुके है कि बीस साल से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक बदहाली, अनियंत्रित भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अराजकता, राजकीय सुस्ती व व्यवस्था में लगे जंग को अब मिटाना है और बिहार को तरक्कधी के एक नए रास्ते पर ले जाना है।" राजद नेता ने लिखाा कि इस थकी–हारी रूढ़िवादी नीतीश सरकार के पास अपना कोई नया विजन, विकास का ब्लूप्रिंट अथवा रोड मैप नहीं है। ये सरकार सब हमारे इनोवेटिव आइडियाज फॉर डेवलपमेंट, कल्याणकारी योजनाओं और कैंपेन को चुरा उसकी कॉपी करती है। यह दर्शाता है कि रचनात्मक एवं वैचारिक रूप से यह सरकार कितनी दिवालिया हो चुकी है। साल 2025 केवल उम्मीदों का साल नहीं होगा बल्कि हर बिहारवासी की दिकध्कधतों को खध्त्म कर सबको साथ लेकर विकासपथ पर आगे बढ़ने का नूतन वर्ष होगा।बिहार में परिवर्तन की जो लहर उठी है वो अब थमने का नाम नही ले रही है। मैं तेजस्वी यादव, आपका बेटा, आपका भाई, आपका दोस्त, आपको ये विश्वास दिलाता हूँ कि बिहार को उस मुकधम पर ले जाकर खड़ा किया जाएगा जहां से तरकध्कधी का सूरज और उन्नति का आसमान कध्रीब नजर आएगा। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि 2025 में आपका बेटा–भाई–सखा तेजस्वी ये प्रण लेकर आ रहा है कि जनता की सरकार आने पर इसी वर्ष बिहार देखेगा कि घर–घर से स्मार्ट चीटर यानी स्मार्ट मीटर हट चुके हैं, हर घर में 200 यूनिट फ्री बिजली के रूप में उजाले की पहली दस्तक दे रही होगी। बेरोजगारी का अंधेरा छंटेगा, रोजगार की भोर होगी, नौकरी का सूरज हर घर से उगेगा। कृषि आधारित उद्योग, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, इंडस्ट्रियल क्लस्टर एवं नए उद्योग–धंधे स्थापित कर पलायन को रोका जाएगा। तेजस्वी ने लिखा कि 'माई–बहिन मान योजना' के रूप में हर महीने 2500 रुपए माताओं–बहनों को उनके खाते में उनका बेटा उनका भाई तेजस्वी सीधा पहुंचाएगा।

भाजपा के विरोध के बावजूद पुजारी–ग्रंथी सम्मान योजना लागू होगी : आप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे जितना विरोध कर ले, लेकिन दिल्ली में 'आप' की सरकार बनने के बाद अरविंद केजरीवाल पुजारी–ग्रंथी सम्मान योजना को लागू करके रहेंगे। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि जब से पुजारियों और ग्रंथियों के लिए 18,000 रुपए प्रति माह की सम्मान राशि देने की घोषणा की है, तब से पूरी भाजपा अरविंद केजरीवाल को गाली देने में जुट गई है। टीवी चौनलों पर भाजपा के प्रवक्ता चीख–चीखकर कह रहे हैं कि मौलाना को तनख्वाह क्यों नहीं दे रहे? भाजपा के लोग कह रहे हैं कि पुजारी–ग्रंथी की योजना कहां से लेकर आए? पैसा कहां से आएगा? भाजपा ने हरियाणा चुनाव के समय अपने घोषणापत्र में कहा था कि मस्जिद के इमामों की तनख्वाह बढ़ाएंगे। हरियाणा में इमाम और मौलाना की सैलरी करीब 50 फीसद बढ़ाई गई। वहां इमामों को हर महीने लगभग 16 हजार रुपए मिलते हैं। वहीं दिल्ली में अरविंद केजरीवाल पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपए देना चाहते हैं तो भाजपा इसके खिलाफ खड़ी हो गई है। सिंह ने आगे कहा कि भाजपा इतनी नफरत से क्यों भरी हुई है? इन्हें पुजारियों और ग्रंथियों से इतनी नफरत क्यों है?

संपादकीय

संकल्पों का नया साल

यूं तो समय अनवरत रूप से अपनी गति से चलता है। लेकिन पर्व–त्योहार और खास दिन उसमें नई उमंग और उत्साह भर देते हैं। यूं तो हर नया साल पहले जैसा ही होता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस समय का कितना बेहतर रचनात्मक उपयोग करते हैं। अपने व परिवार का जीवन कितना ऊर्जावान व सकारात्मक बनाते हैं। दरअसल, कोई साल अच्छा–बुरा नहीं होता, उसके दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियां उसकी दशा–दिशा तय करती हैं। यह हमारे विवेक और सजगता पर निर्भर करता है कि हम कैसे विषम परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाते हैं। यह लंबी बहस का विषय रहा है कि एक जनवरी पश्चिमी देशों का नया साल है। यह भी कि उदास मौसम व रक्त जमाती सर्दी में नया साल मनाने का क्या औचित्य है? कहा जाता है कि भारतीय नववर्ष का आगमन उस समय होता है कि जब कुदरत मुस्करा रही होती है। सर्दी की विदाई की वेला होती है और ग्रीष्म ऋतु दस्तक दे रही होती है। वृक्षों पर फल–फूल व खेतों में नयी फसल पकने की तैयारी हो रही होती है। लेकिन तसवीर का सकारात्मक पहलू यह है कि एक जनवरी का नववर्ष हमें कड़ाके की सर्दी और उदासी के मौसम में जीवंतता प्रदान करता है। लोग मौसम की तल्खी की परवाह किए बिना जमकर नये साल के उत्सवों में शिरकत करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़कर जीवंतता की ओर उन्मुख होते हैं। हो सकता है कि एक जनवरी को नया साल मनाने की शुरुआत के अन्य कारणों के साथ यह भी एक बड़ी वजह रही हो क्योंकि पश्चिमी देशों में भारी बर्फबारी सामान्य जनजीवन को जमा देती है। इसके बावजूद लोग नये साल के जश्न में घरों से बाहर निकलते हैं। मकसद यही रहा होगा कि सर्दी को नजरअंदाज करके जीवन में उत्सव व उल्लास का संचरण हो सके। निस्संदेह, पर्व हमें उल्लासित करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़ते हैं। नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करते हैं। यही पर्वों की सार्थकता भी है। निस्संदेह, भारत पर्व–त्योहारों का देश है। एक तरह से ये पर्व–त्योहार समाज में सेफ्टीवॉल का काम करते हैं। ऐसे समय में जब करोड़ों लोग मनोकायिक रोगों से जूझ रहे हैं, तो पर्व–त्योहार दवा का भी काम करते हैं। दरअसल, महानगरीय जीवन में व्यक्ति गंभीर रूप से आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। कालांतर वहां जीवन की एकरसता में बदल जाता है। बिना सामाजिक सक्रियता के जीवन की जीवंतता संभव नहीं है। फिर नया साल हमें आत्ममंथन का एक अवसर भी देता है– बीते वर्ष के घटनाक्रम व उपलब्धियों का मूल्यांकन करने और असफलताओं से सबक सीखकर आने वाले वर्ष के लिये नीतियां बनाने के लिये। बहुत संभव है कि हम अपने संकल्पों की कसौटी पर पूरी तरह खरे नहीं उतरते। लेकिन प्रयास किया जाना भी महत्वपूर्ण है। कुछ प्रतिशत तो हमारी कामयाबी होती है। लेकिन इसके बावजूद नये साल के जश्न में अराजक व्यवहार से हमें परहेज करना चाहिए। नशे का नासूर जिस तरह हमारे समाज में घातक असर दिखा रहा है, उससे बचने के उपक्रम तो किये ही जाने चाहिए। हमें शोभा नहीं देता है कि नये साल के जश्न में हम अराजक व्यवहार करके दूसरों के जीवन की शांति को भंग करें। अकसर नशे में तेज गति से दौड़ते वाहन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। नये साल का जश्न मनाने तमाम लोग पहाड़ों की ओर कूच करते हैं। जगह–जगह से सड़कें जाम होने और होटलों के फुल होने की खबरें आती हैं। हमारी कोशिश हो कि इन पर्यटन स्थलों पर स्थानीय लोगों और पर्यावरणीय चिंताओं का भी ध्यान रखें। हमारा व्यवहार सभ्य और मर्यादाओं के अनुरूप ही हो। उत्सव हमें अराजक व्यवहार का लाइसेंस नहीं देते। हमारे उल्लास व उत्सव मनाने का अधिकार किसी के निजी अधिकारों के अतिक्रमण की आजादी भी नहीं देता। वास्तव में हमें नये साल में अपने व परिवार की खुशियों के साथ देश व समाज की खुशियों के लिये भी संकल्प लेना चाहिए। सवाल यह भी कि बीत रहे साल के आखिरी दिन देर रात तक हुड़दंग करने के बाद हम नये साल के पहले दिन अलसायी सुबह लेकर क्यों उठते हैं। हमारे नये साल का पहला दिन सूर्योदय के साथ ऊर्जावान होना चाहिए।

डिजिटल गोपनीयता का भविष्य

जैसे–जैसे दुनिया तेजी से आपस में जुड़ती जा रही है, डिजिटल गोपनीयता का भविष्य एक महत्वपूर्ण चौराहे पर खड़ा है। संचार, वाणिज्य और व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता ने व्यक्तियों के दुनिया के साथ बातचीत करने के तरीके को काफी हद तक बदल दिया है, लेकिन यह व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा से संबंधित अभूतपूर्व चुनौतियां भी लेकर आया है। आने वाले वर्षों में, तकनीकी प्रगति, कानूनी ढांचे और सामाजिक मूल्यों के कारण डिजिटल गोपनीयता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी रहेगी। केंद्रीय प्रश्न यह होगा कि सुरक्षा की मांग के साथ गोपनीयता की आवश्यकता को कैसे संतुलित किया जाए। नवाचार, और शासन। डिजिटल गोपनीयता संबंधी चिंताएँ नई नहीं हैं, लेकिन इंटरनेट के तेजी से विकास और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के साथ वे और अधिक गंभीर हो गई हैं। साइबर हमले, डेटा उल्लंघन और निगरानी प्रथाएं पहले से कहीं अधिक प्रचलित हैं। लक्षित विज्ञापन के लिए निगमों द्वारा व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जाता है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे आंदोलनों और प्राथमिकताओं को ट्रैक करते हैं, और सरकारों के पास अपने नागरिकों पर बड़े पैमाने पर निगरानी करने की क्षमता होती है। यह एक विरोधाभास पैदा करता है जहां हमें बदले में गोपनीयता छोड़ने की आवश्यकता बढ़ रही है। चाहे वह वैयक्तिकृत सेवाओं, स्मार्ट उपकरणों या ऑनलाइन बैंकिंग के रूप में हो। डिजिटल गोपनीयता के लिए सबसे महत्वपूर्ण खतरों में से एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उदय है। ये प्रौद्योगिकियां व्यवहार की भविष्यवाणी करने, गतिविधियों को ट्रैक करने और यहां तक कि निर्णयों में हेरफेर करने के लिए बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत डेटा का विश्लेषण कर सकती हैं। हालांकि ये क्षमताएं स्वास्थ्य सेवा से लेकर वित्त तक विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ा सकती हैं, लेकिन दुरुपयोग होने पर ये गंभीर जोखिम भी पेश करती हैं। ऐसा भविष्य जहां एएल का उपयोग लाभ, निगरानी या नियंत्रण के लिए संवेदनशील डेटा का शोषण करने के लिए किया जाता है, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता का महत्वपूर्ण क्षरण हो सकता है। एक ओर, प्रौद्योगिकी कुछ गोपनीयता संबंधी चिंताओं को दूर करने में मदद कर रही है। उदाहरण के लिए, व्हाट्सएप और सिग्नल जैसे मैसेजिंग ऐप में एंड–टू–एंड एन्क्रिप्शन यह सुनिश्चित करता है कि केवल प्रेषक और प्राप्तकर्ता ही संदेश पढ़ सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ता संचार को चुभती नजरों से बचाया जा सकता है। ब्लॉकचेन तकनीक, अपनी विकेंद्रीकृत संरचना के साथ, व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, पारदर्शिता प्रदान करने और डेटा हेरफेर के जोखिम को कम इसे कैसे संभालें करने के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में उभरी है। हालाँकि, जैसे–जैसे तकनीक विकसित होती है, वैसे–वैसे दुर्भावनापूर्ण अभिनेताओं और राज्य अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपकरण भी विकसित होते हैं। उदाहरण के लिए, क्वांटम कंप्यूटिंग का आगमन संभावित रूप से वर्तमान एन्क्रिप्शन विधियों को तोड़ सकता है, । जिससे डेटा सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। भविष्य में, इन नवाचारों के साथ–साथ गोपनीयता सुरक्षा को विकसित करने की आवश्यकता होगी, ।

आलोचना को भी शालीनता से लेते थे मनमोहन सिंह

टी.एन.

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से पहली मुलाकात 1981 में दिल्ली में बतौर एक बिजनेस स्टैंडर्ड संवाददाता के रूप में हुई थी, जब अपने ब्यूरो चीफ के साथ योजना आयोग के सदस्य–सचिव से मिलने गया था। वे दोनों पुराने दोस्त थे। जब हम विशाल कार्यालय में सोफे पर बैठे, तो मेरे बॉस ने गौर किया कि डॉ. सिंह के पॉलिश किए हुए जूते के ऊपरी हिस्से पर सिलवटें पड़ी हुई थीं। मेरे ब्यूरो चीफ ने दोस्ताना अंदाज में पूछ ही लिया, आप नए जूते क्यों नहीं खरीद लेते? डॉ. सिंह का जवाब था कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में पिछली नियुक्ति के दौरान जो कुछ बचत की थी, उससे अपने लिए एक घर बनवाया है। अब आगे अपनी बेटियों की शादी के लिए पैसे जोड़ने की जरूरत है। इसके कुछ समय बाद, मैं आयोग के एक अन्य सदस्य से मिलने उनके घर गया। उन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक ने मुझे एक कप चाय न दे पाने के लिए माफी मांगी। उन्होंने बताया कि चीनी बहुत महंगी हो गई है। यह वह समय था, जब सरकार के शीर्ष पर बैठे लोग भी मामूली वेतन पर साधारण जीवन जीते थे, उस वक्त भारतीय अर्थव्यवस्था दुनियाभर में गरीबी और घरेलू स्तर पर हर किस्म की वस्तुओं की कमी और नियंत्रण के लिए जानी जाती थी। और ऐसी अर्थव्यवस्था को डॉ. सिंह ने 1991 में नियंत्रण–मुक्त किया था। उत्पादक अब उपभोक्ताओं का पीछा करते हैं, जैसा कि उन्हें करना चाहिए। सच है, 1991 में डॉ. सिंह ने जितना भी किया, उसके लिए उन्हें उचित श्रेय से कहीं अधिक मिला। जैसा कि उन्होंने खुद एक बार एक साक्षात्कार में कहा था, यह एक सामूहिक प्रयास था, और सभी का योगदान थादृ ज्यादातर चुपचाप रहकर काम करने वाले पीवी नरसिम्हा राव से लेकर उनके प्रमुख सचिव ए.एन. वर्मा और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय के अन्य लोगों ने अपनी भूमिका निभाई। उसमें यशवंत सिन्हा भी शामिल थे, जिन्होंने नरसिम्हा राव की सरकार के शपथ ग्रहण करने तक, चंद्रशेखर सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए देश को दिवालियापन से बचाने के लिए आपातकालीन उपाय किए। निरूसंदेह, भारत के लिए एक नए युग का सूत्रपात करने वाली महत्वपूर्ण घटना डॉ. सिंह का 1991 का बजट रहा, जिसमें उन्होंने विक्टर ह्यूगो को उद्धृत करते हुए कहा था : 'पृथ्वी पर कोई भी शक्ति उस विचार को नहीं रोक सकती जिसका समय आ गया हो', और इन शब्दों के साथ समाप्त किया, 'पूरी दुनिया कान खोलकर और स्पष्ट रूप से सुन ले। भारत अब जाग गया है। हम पार पाएंगे। हम होंगे कामयाब'। हालांकि, आलोचनाएं भी कम न थीं, उनके प्रधानमंत्रित्व काल में हुई कुछ चीजों के लिए जितनी आलोचना होनी चाहिए थी, शायद उससे कहीं ज्यादा थीं। एक अस्थिर गठबंधन सरकार, जिसमें हर भागीदार वही करता था, जो वह करना चाहता था। एक ऐसी सरकार, जिसे हर काम में नुक्ताचीनी ढूंढ़ने वाले वामपंथियों का समर्थन पाने को कड़वा घूंट पीना पड़ता था, एक ऐसा मंत्रिमंडल, जिसमें कई मंत्रियों की वफादारी प्रधानमंत्री के प्रति न होकर सोनिया गांधी के प्रति अधिक थी। श्रीमती गांधी ने खुद कुछ कामों की बागडोर अपने हाथ में रखी थी, सो एक दोहरी शासन व्यवस्था बनी हुई थी। पद पर बेशक डॉ. सिंह थे, लेकिन वास्तव में सत्ता या पूर्ण नियंत्रण उनके हाथ में नहीं था। तिस पर, वे वह नेतृत्व प्रदान करने में भी असफल रहे जो वास्तव में उनकी भूमिका थी। जबकि खुद उन्होंने यह दर्शन दिया था : 'राजनीति संभावना की कला है', तथापि उन्होंने न तो खुद को मुखर करने और न ही संभावनाओं की सीमाओं का विस्तार किया– जैसा कि मैंने एक बार बेबाक किंतु मैत्रीपूर्ण व्यक्तिगत बातचीत के दौरान उन्हें यह कह भी दिया। इस पर उनका जवाब था कि उनकी अपनी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है। एक प्रधानमंत्री के मुख से यह निकलना एक अजीब बात थी। श्रीमती सोनिया गांधी को भी यह श्रेय जाता है कि डॉ. सिंह सरकार की कई बड़ी पहलकदमियों की प्रवर्तक वे रहीं, मसलन, सूचना का अधिकार, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम और भोजन का अधिकार। अंत में, जो आपके पास बचता है वह हैं उनके व्यक्तिगत गुण। पारदर्शी ईमानदारी और सार्वजनिक भलाई के उद्देश्य की भावना, हर मुलाकात की विशिष्टता रही शालीनता और शिष्टाचार। प्रत्येक भेंट में उनकी समझ और ज्ञान की गहराई, कभी–कभार उनकी मुस्कुराहट जो मुश्किल समय में भी

हंसने की उनकी क्षमता को दर्शाती थी। वे चंद शब्दों में बहुत कुछ कह जाते थे। वर्ष 1996 में, जब मैंने उल्लेख किया कि राव सरकार अपने चुनाव घोषणापत्र में आर्थिक सुधारों का जिक्र करने नहीं जा रही, तो एक पल के लिए ठिठक कर उन्होंने पूछा रू 'बात करने के लिए और बचा क्या'? टिप्पणीकार डॉ. सिंह की विनम्रता का उल्लेख करते हैं। हां, उनका व्यवहार विनम्र था जो उनके अंदर स्वाभाविक रूप से था। वास्तव में, वे लोगों को तारीफ से मिलने वाली आत्म–तुष्टि का इस्तेमाल करने वाले एक चतुर खिलाड़ी थे, जिन्हें वे अत्यधिक प्रशंसा के साथ चित्त कर देते थे दृ जैसा कि मैंने एक से अधिक बार देखा। लेकिन कुछेक बार यह करना कुछ ज्यादा ही हो गया। एक मर्तबा, जब दिल्ली के ताज पैलेस होटल में अमेरिका के राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित दोपहर के भोजन के दौरान उन्होंने जॉर्ज डब्ल्यू बुश की शान में अतिशयोक्तिपूर्ण कसीदे पढ़ते हुए कह डाला : 'पूरा भारत उनसे प्यार करता है।' उन्होंने आईएमएफ के प्रबंध निदेशक माइकल कैमडेसस के साथ भी ऐसा ही किया, जिन्होंने 1991 में भारत के लिए संजीवनी बना ऋण मंजूर किया था। उनकी दिल्ली यात्रा के दौरान एक रात्रिभोज में डॉ. सिंह ने अपने मेहमान की तारीफ के पुल बांध दिए और उन्हें 'सर' कहकर संबोधित किया। हो सकता है यह मात्र भारतीयों के अतिथि देवो भवः वाली विशेषता का प्रतीक हो। हमारी अखबार के कुछ समय के लिए क्रियाशील रहे पुस्तक प्रभाग द्वारा प्रकाशित पहली किताब का विमोचन करते समय उन्होंने कहा कि उनके लिए अपनी सरकार की विफलताओं के लिए की गई आलोचनाओं का मोल है, लेकिन कहा कि अखबार को उपलब्धियों के लिए सरकार को बनता श्रेय देना चाहिए। याद करने लायक ऐसी एक आलोचना अशोक वी. देसाई द्वारा की गई थी, जो कैम्ब्रिज में डॉ. सिंह के सहपाठी और मित्र थे। बिजनेस स्टैंडर्ड के एक तेजतर्रार और तीखे स्तंभकार के रूप में जाने जाते देसाई ने 1995 या उसके आसपास लिखा था कि डॉ. सिंह व्यक्तिगत रूप से ईमानदार हैं, लेकिन अपने आस–पास भ्रष्ट लोगों को बर्दाश्त करते हैं। डॉ. सिंह ने विरोध जताने के लिए मुझे फोन किया और पूछा कि इस तरह की आलोचना से खुद का बचाव कैसे करें। मैंने कहा कि लेखक उनके मित्र हैं और मैं देसाई से आपसे बात करने को कहूंगा। लेकिन यह तथ्य है कि देसाई ने अंगुली सही नब्ज पर रखी थी। इतना ही नहीं, जिस खुली हवा में हम सांस लेते थे, उसका प्रतिबिंब विज्ञान भवन में डॉ. सिंह की शैक्षणिक उपलब्धियों के सम्मान में लिखे आलेखों के संग्रह के विमोचन हेतु आयोजित एक कार्यक्रम में देखने को मिला। इस संग्रह का सह–संपादन इशर जज अहलूवालिया और ऑक्सफोर्ड में डॉ. सिंह के शिक्षक रहे इयान लिटल ने किया था। कार्यक्रम के वक्ता के रूप में मैंने अपनी आलोचनात्मक टिप्पणियों को व्यंग्य के पुट से हल्का–फुलका बना दिया। लेकिन शिकागो में पढ़ाने वाले और उस समय प्रधानमंत्री के सलाहकार रहे रघुराम राजन ने ऐसा नहीं किया, उन्होंने आलोचनाएं काफी कड़ी कीं। मुझे किसी अन्य प्रशासक की याद नहीं आ रही, जिसकी सरकार के तहत प्रधानमंत्री के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित हो और वक्ता उनके सामने ही उसकी सरकार की खुलकर आलोचना करें और फिर उनके साथ रात्रिभोज में शामिल हों! उस समय ऐसी ही स्वतंत्रता थी! एक पत्रकार के रूप में मैंने 35 वर्षों में डॉ. सिंह के साथ जितनी बार बातचीत की, उनकी गर्मजोशी और शिष्टाचार का आनंद लिया, हर बैठक से उनकी बुद्धिमत्ता के नए आलोक के साथ निकला।

दुनिया की सोच भी बदल दी एआई ने

डॉ. शशांक

पूरी दुनिया में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में साल 2024 में कई बड़े बदलाव हुए। एआई सहित कई–कई टेक इनोवेशन सामने आये हैं, जिन्होंने तकनीकी दुनिया को बदलने और लोगों को हैरान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोगों ने जनरेटिव एआई को अपनाने से लेकर फोल्डेबल स्मार्टफोन की बढ़ती पॉपुलेरिटी तक, एक्सेसिबिलिटी और इंटीग्रेशन को बढ़ाने पर फोकस किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए साल 2024 एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी साल साबित हुआ। इस साल एआई ने तकनीकी विकास में ऐसी छलांग लगाई, जिसने न केवल डिजिटल दुनिया बल्कि आम लोगों की जिंदगी को भी पूरी तरह से बदल दिया। एआई अब हर सेक्टर में काबिज हो रही है। 5जी की प्रौद्योगिकी ने तेज इंटरनेट स्पीड और कनेक्टिविटी के मामले में एक क्रांतिकारी बदलाव किया है। इसके चलते स्मार्टफोन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेस की क्षमता में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी (वीआरध्एआर) ने गेमिंग, एंटरटेनमेंट, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में नयी ऊंचाइयों को छुआ है। नये और उन्नत वीआरध्एआर हेडसेट्स और एप्लिकेशन का विकास हुआ है। 2024 में मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट कंज्यूमर टेक्नोलॉजी में नए सेगमेंट के रूप में सामने आए हैं, जो फिजिकल और डिजिटल इनवायरन्मेंट को सीमलेस ब्लेंड करते हैं। एपल और मेटा जैसे ब्रांड ने ऐसे डिवाइस पेश किए हैं जो वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) को इंटीग्रेट करते हैं ताकि डीप इमर्सिव एक्सपीरियंस ऑफर किए जा सकें। बीते साल क्वांटम कम्प्यूटर के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आईबीएम और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने अपने क्वांटम कंप्यूटरों के नये वर्शन पेश किये हैं, जिनका उद्देश्य समस्याओं को हल करने की गति को मौजूदा सुपरकंप्यूटर से कई गुना अधिक बढ़ाना है। एआई ने शिक्षा के क्षेत्र में भी नई क्रांति लाने का काम किया। भारत की पहली एआई टीचर के रूप में आइरिस जानी जाती हैं। इस साल मार्च में इन्हें तिरुवनंतपुरम के केटीसीटी स्कूल द्वारा विकसित किया गया। वर्ष 2024 में बायोइलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ टेक्नोलॉजी ने स्वास्थ्य देखभाल को एक नयी दिशा दी है। स्मार्ट वियरेबल्स, स्वास्थ्य से संबंधित एप्स और एआई–बेस्ड डायग्नोस्टिक टूल्स ने मेडिकल क्षेत्र में सुधार किया है। वहीं, सस्टेनेबिलिटी और ग्रीन टेक की बात करें, तो पर्यावरणीय चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ग्रीन टेक्नोलॉजी में भी इस साल इनोवेशन हुआ है। सोलर पैनल्स, इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा संरक्षण के नये तरीके सामने आये हैं। ट्रांसपेरेंट टीवी इस साल काफी चर्चा में रहा। ये 77–इंच का एक ट्रांसपेरेंट टीवी है, ये बंद होने पर शीशे की तरह दिखता है। टीवी ऑन होता है तो एक अलग ही तरह विजुअल एक्सपीरियंस मिलता है। इसमें वायरलेस कनेक्टिविटी के लिए जीरो कनेक्ट बॉक्स का यूज किया गया है। वर्ष 2024 में हुआवई ने फोल्डेबल या फ्लिप फोन नहीं बल्कि ट्रिपल फोल्ड फोन लॉन्च किया है। ये दुनिया का पहला ट्रिपल–फोल्ड स्मार्टफोन है। स्मार्टफोन खुलने पर 10.2 इंच की बड़ी स्क्रीन ऑफर करता है। ये टैबलेट की तरह भी यूज किया जा सकता है। इसमें 1टीबी स्टोरेज है। फोटो–वीडियोग्राफी के लिए चार कैमरा हैं। स्मार्टफोन से कई फोल्डिंग मोड्स में काम कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से स्मार्टफोन, लैपटॉप और दूसरे गैजेट के काम करने के तरीके का एक जरूरी हिस्सा बन गया है। ये क्रिएटिव और प्रेक्टिकल फीचर्स को एड करती है, जो इन डिवाइसेज के इस्तेमाल के तरीके को बेहतर बनाती है। वर्ष 2024 में हुए सबसे बड़े इनोवेशन की बात की जाएगी तो उसमें न्यूरालिंक का जिक्र होगा। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब इंसानी दिमाग में चिप लगाई गई। इस साल की शुरुआत में एलन मस्क के टेक स्टार्टअप न्यूरालिंक ने यह कारनामा किया था। कंपनी ने चिप को लेकर दावा किया कि इसके जरिये कम्युनिकेशन और बॉडी को कंट्रोल किया जा सकता है। इस साल कई ऐसे इनोवेशन हुए जो कल्पनाओं से भी परे थे। इतिहास का सबसे बड़ा शटडाउन भी इसी साल देखने को मिला। दुनिया का पहला एआई हॉस्पिटल बनाने वाला देश चीन है, जिसमें मरीजों का इलाज रोबोट करते हैं। इसमें 14 एआई डॉक्टर और 4 एआई नर्स हैं। एआई हॉस्पिटल नए इनोवेशन के नजरिये से काफी दिलचस्प है। एआई डॉक्टर मशीन लर्निंग के आधार पर काम करते हैं। बेहतर, उन्नत और लगातार इस्तेमाल के साइड इफेक्ट्स भी देखने को मिले। मसलन, 2024 में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों ने हर किसी को परेशान किया। साल 2024 ने साबित कर दिया कि एआई सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे न केवल जीवन आसान हुआ है, बल्कि प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को भी एक नया आयाम मिला है।

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

उमेश

विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हिस्से रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर विशेष भेंट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है। बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते–जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे। मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस–वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में 'श्रीकृष्ण पाथेय' परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। 'श्रीकृष्ण पाथेय' के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ–साथ अपने–अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर–गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां–जहां रूके, उन–उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रूपये से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टर समिट किए जा गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है। पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्य प्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा। कृषि विकास दर के लिहाज से मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की आर्थिक सेहत भी दुरूस्त हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। मोहन यादव इसे समझते हैं, इसीलिए राज्य के सभी 16 विश्वविद्यालयों में कृषि विभाग शुरू किए गए हैं। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्य प्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है। मध्य प्रदेश की कपड़ा मिलों में महिलाओं को नौकरी मिले, इसके लिए प्रति महिला पांच हजार रूपए महीने उत्पादक को सब्सिडी देने की तैयारी है। इसी तरह राज्य के प्रमुख शहरों, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवां समेत सात जगहों पर आईटी पार्क स्थापित करने की तैयारी है। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए राज्य में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले जा रहे हैं। शासन में फिजूलखर्ची रोकने की योजना भी बनाई गई है। इसके तहत स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे अलग विभागों को एकीकृत कर दिया गया है। राज्य के प्रशासन में जहां भी जरूरी होगा, उन्हें संतुलित करने, विभागों को एक साथ लाने की योजना पर काम चल रहा है। राज्य सरकार थानों का परिसीमन सफलतापूर्वक कर चुकी है, इसी तर्ज पर प्रशासनिक परिसीमन की भी तैयारी है। इसी तरह अफसर–कर्मचारी अनुपात को भी तर्कसंगत करने की तैयारी है। मोहन यादव कहते हैं कि सरकारी तंत्र पर खर्च होने वाला हर पैसा नागरिक का होता है और उसका दुरूपयोग नहीं होने दिया जाएगा। मोहन यादव सरकार एक और अनूठी योजना लेकर आई है। मध्य प्रदेश पहला राज्य बन गया है, जहां सरकारी स्तर पर एयर एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। आयुष्मान योजना के तहत आने वाले रोगियों को यह सुविधा जहां मुफ्त मिलेगी, वहीं सक्षम लोगों से इसके लिए फीस ली जाएगी। निजी और सरकारी सहयोग के आधार पर अस्पताल शुरू किए जा रहे हैं। बड़ी–बड़ी गोशालाएं बनाई जा रही हैं, जिन्हें नगर महापालिकाओं और नगर निगमों को दी गई है।

केन दृ बेतवा नदी जोड़ परियोजना की शुरूआत प्रधानमंत्री मोदी के हाथों हो चुकी है। मोहन यादव आज बीजेपी के नए नेतृत्व का चेहरा हैं। हालांकि खुद को वे पार्टी का विनम्र कार्यकर्ता ही बता रहे हैं।

विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप करें तैयार : प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में गुरुवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में परिसर के विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट और प्रशिक्षण के लिए संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक हुई. बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करें. अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को पढाई के साथ– साथ इंटरव्यू और अन्य आवश्यक कौशल से भी लैस करें. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए जल्द ही कॉर्पोरेट कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा. उन्होंने निर्देश दिया कि प्लेसमेंट सेल से सभी विभाग के एक– एक शिक्षकों को जोड़ा जाये. निदेशक प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि इस सत्र के प्लेसमेंट के लिए निरंतर संस्थाओं से सम्पर्क किया जा रहा है. परिसर पाठ्यक्रमों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो इसके लिए योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि जल्द ही प्लेसमेंट बुलेटिन प्रकाशित जायेगा. इस अवसर पर प्रो अजय प्रताप सिंह, प्रो अजय द्विवेदी, प्रो देवराज, प्रो एके श्रीवास्तव, प्रो रामनारायण, प्रो गिरधर मिश्र, प्रो संदीप सिंह, प्रो रवि प्रकाश, प्रो राजेश शर्मा, प्रो प्रमोद यादव, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो राजेश शर्मा, प्रो सौरभ पाल, प्रो गिरधर मिश्र, डॉ रसिकेश समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे.

लड़कियों और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति खुद जागरूक रहना चाहिए : डॉ शैली निगम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,सरकार द्वारा महिलाओं बच्चियों के स्वस्थ को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा है |इसी क्रम में नगर के रूहट्टा स्थित नगर पालिका स्कूल में स्वास्थ्य जागरूकता एवं एनीमिया (खून की कमी) की जाँच के लिए शिविर लगाया गया। यह शिविर जौनपुर के प्रसूति एवं स्त्री रोग संघ (जॉग्स) द्वारा लगाया गया। इस शिवर में संस्था की सचिव एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डा० शैली निगम ने स्कूल के विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया। उचित खान–पान एवं नियमित व्यायाम द्वारा विभिन्न रोगों एवं खून की कमी से बचा जा सकता है। किशोरावस्था में होने वाले परिवर्तनों विशेषकर माहवारी की समस्याओं पर चर्चा की। गर्भाशय के कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण के लिए लड़कियों को प्रेरित किया। लड़कियों ने विभिन्न प्रश्न पूछकर अपने समस्या को दूर किये। कक्षा 6 से कक्षा 10 तक की छात्राओं ने शिविर में भाग लिया। जिनमें से 32 लड़कियों ने अपने खून की जाँच करवाई इस मौके पर डॉ निगम ने कहा कि लड़कियों और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति खुद जागरूक रहना चाहिए |समय समय पर अपने मां से या घर में बड़ी भाभी या जो भी उनके बड़ी हो उनसे अपनी समस्याओं से अवगत कराने से किसी भी बीमारी का समय रहते इलाज हो सकता है |प्रधानाचार्या श्रीमती सविता सिंह ने शिविर में दी गई जानकारियों की सराहना करते हुए लड़कियों को संतुलित आहार का महत्व बताया। अंत में उन्होंने इस शिविर के आयोजन के लिए डा० शैली निगम का आभार प्रकट किया।

जौनपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभू सिंह सोलंकी जिला शांति समिति के सदस्य नामित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, जौनपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष शंभू सिंह सोलंकी को जिलाधि |कारी द्वारा जिला शान्ति समिति (पीस कमेटी)जौनपुर का सदस्य नामित किया है। उन्होंने अपने पत्रकार साथियो को नववर्ष–2025 की मंगल कामना की है। श्री सिंह के मनोनीत होने पर सम्पादक अजय प्रताप पाल , सम्पादक सामीन भाई,वरिष्ठ पत्रकार फूलचंद यादव, सम्पादक ,जौनपुर प्रेस क्लब के महामंत्री आशीष पांडेय, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ पदाधिकारी सादीक ,आसिफ खान,अवधेश तिवारी , रूद्र प्रताप सिंह वरिष्ठ पत्रकार हिन्दुस्तान समाचार–पत्र, जिला उपाध्यक्ष कुंवर दीपक सिंह,रिपोर्टर, न्यूज नेशनधन्यूज स्टेटध्यूपी । उत्तराखंड, संगठन के जिला उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव , रिपोर्टर न्यूज हावर न्यूज चौनलध्ब्यूरो प्रमुख देश की उपासना हिंदी दैनिक समाचार पत्र, दिवाकर दूबे, अजय सिंह रिपोर्टर इण्डिया न्यूज टी. वी चौनल, जिला मंत्री श्रमित उपाध्याय (सोनू) ,सम्पादक अरविंद पटेल, पत्रकार शशि मौर्य,लक्ष्मी मौर्य,सरस सिंह सहित जौनपुर प्रेस क्लब के सभी तहसील ईकाई के पदाधिकारीयो व सदस्यों ने श्री सिंह को बधाई दिया है।

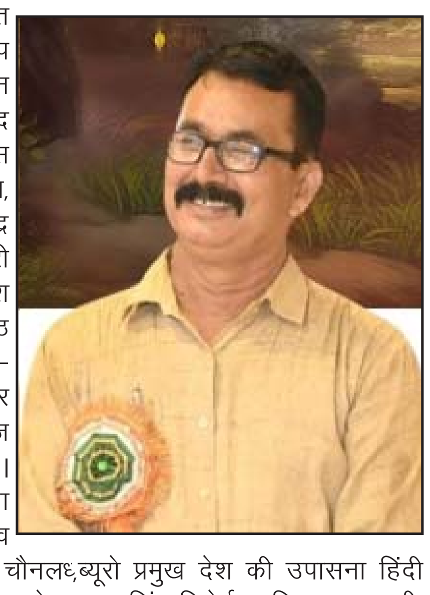

रामलला के दर्शन के लिए रामनगरी में उमड़ी श्रद्दालुओ की भीड़

(डाक्टर अजय तिवारी जिले संवाददाता)

अयोध्या |बुधवार को सर्द हवाओं तथा भीषण ठंड के बावजूद बावजूद नव वर्ष 2025 के पहले दिन रामलला का दर्शन करने के लिए आस्था का जनसैलाब अयोध्या की सड़कों पर उमड़ पड़ा। राम मंदिर के साथ ही हनुमान गढ़ी में श्रद्धालुओं की लम्बी लाइन लगी हुई है |नववर्ष पर राम मंदिर को सुगंधित व आर्कषक फूलों से सजाया गया था। जो मंदिर की भव्यता को शिखर पर पहुंचा रहा है। राम लला हरे रंग के रत्न जड़ित वस्त्रों के साथ विभिन्न आभूषणां को धारण किए हुए है |बुधवार को भोर से ही राम लला तथा हनुमान गढ़ी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लम्बी लाइनें रामजन्मभूमि पथ तथा भक्ति पथ पर लग गई। 6.30 बजे मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोले गए। नौ बजे तक दर्शन के लिए लगी लाइने राम पथ तक पहुंच गई। भीड़ के दबाव को देखते हुए अंगद टीले से होकर राम मंदिर जाने वाले मार्ग को खोला गया |राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार शाम तक लगभग 2 लाख लोगों ने राम लला का दर्शन किया। दर्शन रात्रि 9 बजे तक चलता रहेगा। हनुमान गढ़ी पर दर्शन के लिए दिन में 11 बजे लगभग डेढ़ किमी लम्बी लाइन लगी हुई थी। इस दौरान सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए है। चप्पे–चप्पे पर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। अतिरिक्त फोर्स लगाई गई। सीसीटीवी तथा ड्रोन के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

आंवला की खेती करके समृद्ध बन रहे है प्रगतिशील किसान अलख नारायण सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला उद्यान अधि |कारी ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत परंपरागत खेती छोड़कर आंवला की आधुनिक किस्म की खेती कर रहे अलख नारायण सिंह ने कृषि में नई तकनीक अपनाई है। डालूपुर ग्राम के निवासी अलख नारायण सिंह ने एन–7 के 600 पौधे, एन–10 के 100 पौधे आगरा बोर्ड के 300 पौधे, चकला के 250 पौधे तथा लक्ष्मी 52 के 150 पौधे जैसे उन्नत किस्म के आंवला की खेती से अलख नारायण सिंह ने पॉच साल के लिए एक करोड़ दस लाख रू0 में 05 साल के लिए बाग बेच के मुनाफा कमाना शुरू किया है। एन–7 के पौध 2005 में कृषक द्वारा रोपित किया गया जनपद प्रतापगढ़ से पौध लाया गया और स्वंय भी नर्सरी तैयार किया गया। आंवला की खेती करने वाले किसानों को कई तरह के फायदे होते हैं। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंर्तगत फल क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम में आंवला की खेती के अन्तर्गत उद्यान विभाग द्वारा 18000 हे0 अनुदान प्रदान की जाती है तथा इससे किसानों को आवंला की खेती के लिए प्रोत्साहन प्राप्त होता है, जिससे किसान लगातार 40 से 50 साल तक आमदनी प्राप्त होता है। आंवला के एक पेड़ से एक साल में लगभग 1 से 2 कुंतल तक आंवले का उत्पादन होता है। इसमें प्राकृतिक विधि का प्रयोग करने पर लागत कम आती है। आंवला के पेड़ बंजर और ऊसर जमीन पर भी आसानी से उग जाते हैं। आवला की खेती के लिए अगस्त–सितंबर में पौधे लगाए जा सकते हैं आंवला की खेती के लिए खेत की सही तैयारी और पौधों की विजाति प्रजातियों का संतुलित इस्तेमाल करना जरूरी होता है। आंवलें का इस्तेमाल दवाईयां, शैंपू, बालों का तेल, दांतों के पाउडर और मुंह की क्रीम बनाने में भी किया जाता है। आंवला विटामिन सी का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। आंवला की खेती के लिए राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत किसानों को सहायता भी उद्यान विभाग द्वारा दी जाती है। जनपद जौनपुर के विकासखंड–महाराजगंज, सुजानगंज में आंवला की खेती ज्यादातर की जाती है। जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक गोष्टीध्मेले में औषधीय पौध आंवला के एक–एक पौध लगाने की अपील भी की गयी हैं। जिलाधि |कारी द्वारा अलख नारायण सिंह को किसान दिवस पर सम्मानित भी किया गया है।

ट्रक की चपेट में बाइक सवार तीन की मौत एक सगे भाई बहन शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,02 जनवरी । लाइन बाजार थाना क्षेत्र के अकबर आदमपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास बाइक सवार तीन लोगों दो युवती एक बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई |बृहस्पतिवार की दोपहर करीब दो बजे बाइक सवार लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मीरपुर निवासी अरुण 32 पुत्र श्याम अपने मौसी के घर आरती (18) पुत्री श्याम बबीता (12)पुत्री राजेंद्र को दोपहर अपने मौसी के घर से लाइन बाजार बाइक से निकले थे जैसे ही वह अकबरपुर आदमपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास से पहुंचे थे की ट्रक की चपेट में आ गए जिसकी मौके पर तीनों की मौत हो गई |घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है परिवार वालों को सुचित कर दिया है। वही इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार सदर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि लाइन बाजार थाना क्षेत्र के आदम अकबरपुर के पास एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिसमें बाइक पर सवार तीन लोगों की मृत्यु हो गई है। मृतक अरुण और आरती सगे भाई बहन हैं जो केराकत थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं जबकि बबीता लाइन बाजार की रहने वाली है घटना के बाद से ट्रक और ट्रक चालक को पुलिस के हिरासत में ले लिया है |सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है।

गुरुवार को हल्की धूप से लोगो ने महसूस किया ठंड से राहत

अयोध्या। गुरुवार को बादल व सर्द हवा के बीच हल्की धूप निकलने से लोगों ने थोड़ी बहुत ठंड से कुछ राहत महसूस किया |लेकिन बादल होने के चलते धूप की लुका छुपी भी जारी थी |बताते चले कि इधर एक सप्ताह से कुछ जिलों मे बारिश तथा अयोध्या जिले में रात के अलावा दिन में भी सर्द हवाओं तथा बादलों के चलते तापमान में भारी कमी आई |सर्द हवाओं व बादल के चलते बुजुर्ग तथा बच्चे घरों में ही दुपके रहे |सरकारी कर्मचारी,दुकानदार, शिक्षक या फिर अन्य लोग जो किसी महत्वपूर्ण कार्य से बाहर निकले हुए थे वे सभी स्वेटर, कोट,मफलर,टोपी, साल सहित अन्य गर्म व ऊनी कपड़ों से अपने शरीर को ढके हुए नजर आए |ठंड को देखते हुए शासन की ओर से भी जारी आदेश के चलते 14 जनवरी तक कक्षा आठ तक के सभी स्कूल बंद है |वहीं जो स्कूल कॉलेज खुले हुए थे। उसे स्कूल के छात्र–छात्राएं बस टेंपो या अन्य वाहनों पर इस ठंड में कांपते हुए नजर आ रहे थे |रोडवेज बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन पर अपने–अपने गंतव्य स्थान को जाने वाले यात्री भी इस ठंड से बचने के लिए नगर निगम द्वारा इन स्थानों पर उपलब्ध कराए गए अलाव के सामने ठंड से बचते हुए नजर आ रहे थे |जिला चिकित्सालय,महिला चिकित्सालय मे भी मरीज वह उनके तीमारदार ठंड से ठिठुरते हुए नजर आ रहे थे |लेकिन गनीमत इतनी रही कि आज गुरुवार को हल्की सी धूप निकलने के चलते लोग थोड़ी बहुत ठंड से राहत महसूस करते हुए दिखाई दिए |लोगों का यह भी मानना है कि अगर गुरुवार को मौसम साफ रहता है तो आने वाले दिनों में कोहरा होने की उम्मीद जताई जा रही है |जिससे किशन किसानों के फसलों को काफी फायदा होगा |ठंड से बचने के लिए लोग इधर कुछ दिनों से इलेक्ट्रॉनिक दुकानों पर हीटर,गीजर,रुम हीटर सहित अन्य गर्म करने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों को भी खरीदारी करते हुए दिखाई दिए |वही नगर निगम भी लोगों को ठंड से निजात दिलाने के लिए अयोध्या शहर तथा अयोध्या धाम में 200 से अधिक क्षेत्रों को चिन्हित किया हुआ है |जहां पर अलाव की व्यवस्था की जाएगी और कुछ जगह सार्वजनिक स्थानों पर और महत्वपूर्ण जगहों अलाव की व्यवस्था की गई है |नगर निगम अधिकारियों की माने तो इन महत्वपूर्ण जगहों के अलावा शीघ्र ही अलाव की व्यवस्था की जाएगी |अवर अभियंता नगर निगम (निर्माण) अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में इस समय जिलाधिकारी आवास, अधिकारियो के कार्यालय व उनके आवास सहित रिकाबगंज चौराहा, नियावां,चौक घंटाघर,चौक एकदरा,गुदरी बाजार चौराहा, शक्ति विहार कॉलोनी,कसाब बाड़ा,रिकाबगंज चौराहा, सिविल लाइन,रोडवेज बस स्टेशन,रेलवे स्टेशन,कोतवाली नगर,रीडगंज कारसेवक पुरम सहित कई महत्वपूर्ण जगहों पर अलाव गिराया जा रहा है।

वक्रांगी केंद्र संचालक से असलहे के दम पर 1.5 लाख की लूट पुलिस मौके पर जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के सरकी चौकी क्षेत्र अंतर्गत वक्रांगी केंद्र संचालक से 1.5 लाख की लूट से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। थाना क्षेत्र के झमका ब्राह्मणपुर गांव निवासी आशुतोष राजभर रोज की भांति सायकिल से नदौली स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास अपने वक्रांगी मिनी बैंक पर जा रहा था कि डेडूवाना डेहरी के बीच सिवान के पास पहुचा ही था कि तीन अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने पीछे से धक्का देकर गिरा दिया। गिरने के बाद बदमाश बैग को छीनने लगे। बैग नहीं देने पर असलहा निकाल आतंकित कर बैग छीन कर फरार हो गयें। लूट को अंजाम देते हुए बदमाश सूरतपुर गांव के तरफ भाग निकलें |बदमाशों में कुछ दूर जाकर डेहरी सुरतपुर के बीच में जाकर बैग व लैपटॉप फेक दिया। पीड़ित के अनुसार बैग में रखा 1.5 लाख रुपये लेकर भाग गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सी.ओ. सिटी देवेश सिंह, क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक व प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय, एसओजी प्रभारी रामजनम यादव अपने मातहतों को लेकर मौके पर पहुँच मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। इस मामले में क्षेत्राधिकार अजीत कुमार रजक में बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है जल्द ही बदमाशों का पता लगा लिया जाएगा केंद्र संचालक द्वारा तहरीर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ दिया गया है।

भारत और नेपाल में इंडो–नेपाल ताइक्वांडो चैंपियनशिप आयोजित करने का निर्णय लिया।

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। डॉ. जीएम. जिमी आर जगतियानी. महासचिव. भारतीय ताइक्वांडो महासंघ. भारत में ताइक्वांडो के संस्थापक और जनक श्री प्रकाश शमशेर राणा का स्वागत करते हैं नेपाल ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष नेपाल

ओलंपिक समिति के उपाध्यक्ष दोनों ने वैकल्पिक वर्ष में भारत और नेपाल में इंडो–नेपाल ताइक्वांडो चौंपियनशिप आयोजित करने का निर्णय लिया है। इससे ताइक्वांडो के खिलाड़ियों के लिए मानक और तकनीक उन्नत होगी। डॉ. जीएम. जिमी आर जगतियानी ने श्री प्रकाश शमशेर राणा का स्वागत किया और उन्हें ताइक्वांडो की पाठ्य पुस्तक भेंट की। दोनों ने इस वर्ष 2025 और उसके बाद ताइक्वांडो को बढ़ावा देने पर सहमति जताई है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष बालेश्वर लाल जी की 95 वीं जयंती मनाई गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध यक्ष बालेश्वर लाल जी की 95 वीं जयंती बुधवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अयोध्या रोड स्थित कार्यालय पर मनाई गई। जिला अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव ने माल्यार्पण कर विचार व्यक्त किए |बालेश्वर लाल की

प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्थापक जी के छोटे पुत्र सुजीत कुमार उर्फ मन्नू जी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

नव वर्ष के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ मण्डल के मुख्य महाप्रबन्धक शरद चांडक ने एक वाहन भेंट किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नव वर्ष के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ मण्डल के मुख्य महाप्रबन्धक शरद चांडक ने सामाजिक सेवा दायित्व के अंतर्गत कैंसर एड सोसाइटी, लखनऊ को विभिन्न जिलों में सेमिनार एवं कार्यशालाओं द्वारा कैंसर जैसी गंभीर बिमारी एवं पैलिएटिव केयर के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु एक वाहन भेंट किया। कैंसर एड सोसाइटी, लखनऊ के संस्थापक डॉक्टर ध |ान प्रकाश गुप्ता ने स्टेट बैंक के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण के लिए आज कार्यालय परिसर मे वृक्षारोपण किया गया एवं परिसर मे स्टाफ सदस्यों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया है।

चिल्लाते रहे बुजूर्ग पिता सामने ही जल गए बेटा और दो नातिन, सामान लेने जा रहे थे दुकान पर

गोरखपुर, (संवाददाता)। सोनबरसा हाईटेंशन तार हादसे में पता चला है कि विशुनपुर खुर्द गांव के हीरा निषाद (65) भी बेटे शिवराज निषाद (25) और दो नातिन के साथ बाइक पर सवार थे। रविवार शाम हुए इस हादसे में बेटे शिवराज और दो नातिन की तार के करंट की चपेट में आकर मौत हो गई थी। हीरा निषाद ने बताया कि रास्ते में किराने की दुकान पर कुछ सामान लेने बाइक से उतरे और बेटे को नहर किनारे मोड़ पर खड़े रहने के लिए कहा। जैसे ही लौटे, उनके सामने ही बेटा और दो नातिन पर हाईटेंशन तार गिरा और वे जलने लगे। शोर मचाते हुए बहुत प्रयास किया, लेकिन आंख के सामने ही उनके बच्चे जलकर राख हो गए। यह कहते–कहते उनकी आंखें डबडबा गईं। एम्स क्षेत्र के विशुनपुर गांव में सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद सुबह शिवराज निषाद, अदिति (03) और अन्नू (09) का शव घर पहुंचा। इस दौरान गांव में भीड़ एकत्रित हो गई। बुजुर्ग हीरा निषाद ने माड़ापार फरेन नाले के पास बेटे का दाह संस्कार किया। दोनों नातिन को कांपते हाथों से दफनाया। इस दौरान चौरीचौरा विधायक ई. श्रवण निषाद, एसडीएम चौरीचौरा प्रशांत वर्मा, सीओ कैंट योगेंद्र सिंह मौजूद रहे। ग्रामीणों ने बताया कि शिवराज का बड़ा भाई शिवमंगल राजस्थान में काम करता है। रविवार को भाई और नौ वर्षीय बेटी अन्नू के मौत की सूचना पर वह घर आने के लिए निकला। जिस बस से वह आ रहा था, रास्ते में वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि शिवमंगल को बहुत चोट नहीं आई है। दूसरी गाड़ी से वह घर आ रहा है। पति शिवराज और मासूम बेटी अदिति की मौत के बाद प्रमिला बदहवास हो गई हैं। रोते–रोते वह बेहोश हो जा रही हैं। शिवमंगल की बेटी अन्नू के साथ पढ़ने वाली गांव की खुशबू ने बताया कि दिनभर साथ में खेलती थी। रोज उसके साथ पढ़ने जाती थी। कक्षा तीन में पढ़ने वाली अन्नू पढ़ने में बहुत तेज थी। जिस जगह पर रविवार शाम को तार टूटने से घटना हुई थी, वहां विद्युत विभाग ने अधिकारियों के निर्देश पर सोमवार को खंभे लगवाए। जो तार ढीले थे, उसे टाइट किया जा रहा है।

सोनबरसा बाजार में सहमे व्यापारी

घटना के प्रत्यक्षदर्शी व्यापारी सहम गए हैं। उनमें इस कदर दहशत है कि वे खंभों से दूर होकर आ–जा रहे हैं। ऊपर लगे हाईटेंशन तार पर भी ध्यान दे रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि ऐसी घटना पहली बार देखी है।

बिजली विभाग की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। अगर समय से तारों पर ध्यान दिया गया होता तो यह हादसा नहीं हुआ होता। अब तो बिजली का नाम सुनकर ही डर लग रहा हैरू प्रियांशु सिंह, व्यापारी कई बार बिजली विभाग के लाइनमैन और अन्य कर्मचारियों से शिकायत की गई। समय से शिकायत सुनकर जिम्मेदार ध्यान दिए होते तो यहां इतनी बड़ी घटना कभी नहीं होतीरू परमेश्वर कश्यप, व्यापारी अब तो बिजली के पोल के पास भी जाने से डर लग रहा है। जहां घटना हुई, वहीं बगल में दुकान है। सामने ही बाइक पर तार गिरा और आग लगी। जब तक बाहर आया, वे जल गए थे

आठ साल से खड़े–खड़े भगवत धूनी रमा रहे हरियाणा के रमेश पुरी, जन कल्याण के लिए कर रहे हठ योग

प्रयागराज । मेला प्रारंभ होने से पहले अखाड़ों के साधु–संत संगम स्नान के साथ ही जप–तप शुरू कर दिया है। देश के कोने–कोने से आए कई संत हठ योग की तपस्या से लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। बरवाला, हिसार (हरियाणा) से आए महंत रमेश पुरी ।

पति की मौत का डर दिखाकर महिला के जेवर ले गए

लखनऊ, (संवाददाता)। गोसाईगंज के सुरियामऊ गांव निवासी ममता यादव को उनके पति की मौत का डर दिखाकर ढोंगी बाबा व उसके चेले ने लाखों के जेवर और 25 हजार की नकदी पार कर दी। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। ममता के मुताबिक 23 दिसंबर को वह साईं मंदिर जा रही थीं। मंदिर के पास ढोंगी बाबा ने रोक लिया। तभी एक युवक भी वहां पहुंचा और बाबा के पैर छू कर बोला कि आपके मंत्र से मेरे सारे संकट कट गए हैं। फिर उसने बाबा को पांच सौ रुपये देने की कोशिश की। पर उसने नहीं लिए। इसके बाद युवक चला गया। कुछ देर बाद बाबा ने ममता से उनके पति की मौत होने और घर पर संकट आने की बात कही। टप्पेबाज ने कहा कि घर में रखे सारे आभूषण खराब हो जाएंगे। संकट से निकालने के नाम पर उनसे जेवर उतरवा लिए। यही नहीं, ममता घर से 25 हजार रुपये ले आईं और टप्पेबाज को दे दिए। जेवर व रुपयों को पोटली में बांधकर टप्पेबाज ने मंत्र पढ़ने का नाटक किया। फिर पोटली बदलकर थमा दी। घर पहुंचकर ममता ने पोटली खोली तो कंकड़–पत्थर निकले।

पीजीआई में डॉ. अवधेश बने न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रमुख

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई में न्यूरो सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। अब डॉ. अवधेश जायसवाल को विभाग का प्रमुख बनाया गया है। पीजीआई के न्यूरो सर्जरी विभाग में रहते हुए डॉ. राजकुमार ऋषिकेश एम्स के फाउंडर डायरेक्टर भी रहे। सैफई के यूपीयूएमएस के पहले सेलेक्टेड वीसी बने। 10 जनवरी से रांची रिम्स के निदेशक हैं। कोविड पर डॉ. राजकुमार के 31 शोध पत्र प्रकाशित हुए। कुल 558 शोध में उनकी अहम भूमिका रही। वह यूएसए रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस एंड सर्जन्स के रीजनल डायरेक्टर भी रहे। एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के बेहतर संचालन में भी उनकी अहम भूमिका रही।

सर्दी में क्रिकेट खेलने पर डांट पड़ी तो छात्र ने लगा लिया फंदा

लखनऊ, (संवाददाता)। मानकनगर की आरडीएसओ कॉलोनी में रहने वाले आठवीं के छात्र पुनीत (14) ने मंगलवार सुबह घर पर फंदा लगा लिया। पुलिस का दावा है कि किशोर की मां ने सर्दी में क्रिकेट खेलने पर उसे डांटा था। इसके चलते ही उसने यह कदम उठा लिया। बिहार के भागलपुर निवासी उमेश कुमार रेलवे के एसएससी कैरिज आरडीएसओ में कार्यरत हैं। उनका एक बेटा कोटा में पढ़ाई कर रहा है। छोटा बेटा पुनीत (14) आरडीएसओ स्थित स्कूल में आठवीं का छात्र था। मंगलवार सुबह उमेश दफ्तर चले गए। छुट्टी के चलते रेनू और किशोर की बहन दूसरे कमरे में अपने–अपने काम में व्यस्त हो गईं। कुछ देर के बाद जब रेनू कमरे में गई तो पुनीत रस्सी के सहारे पंखे से लटक रहा था। थानाध्यक्ष अजीत कुमार के अनुसार, रेनू ने बताया कि पुनीत क्रिकेट खेलने का शौकीन था। भीषण सर्दी में क्रिकेट खेलने पर उसे डांट दिया था। वहीं, ऐसी चर्चा है कि नए साल की पार्टी के लिए पुनीत चार हजार रुपये मांग रहा था। इस बात पर उसे डांटा पड़ी थी, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

33 वार्डों में कल से निजी कंपनी लगाएगी झाड़ू

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम के जोन दो, पांच और आठ के 33 वार्डों में भी सफाई का काम दो जनवरी से ठेके पर चला जाएगा। निजी कंपनी लायंस इनवायरो लखनऊ प्राइवेट लिमिटेड यहां काम करेगी। पहले एक जनवरी से इसकी शुरुआत होनी थी, पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण चल रहे राष्ट्रीय शोक के कारण इसे एक दिन बढ़ा दिया गया है। नई कंपनी के काम संभालने के साथ इन वार्डों में अभी काम कर रहीं 15 कार्यदायी संस्थाओं का पत्ता भी कट जाएगा। इन संस्थाओं के करीब 2000 सफाई कर्मचारी लगे हैं। इनकी जगह नई कंपनी अपने कर्मचारी लगाएगी। मंगलवार को उसे काम हैंडओवर भी कर दिया गया। नगर निगम ने कंपनी को डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए 100 गाड़ियां मुफ्त में भी दी हैं। अनुबंध के तहत कंपनी सड़कों व गलियों में भी झाड़ू लगवाएगी। हालांकि, 77 वार्डों में सफाई का काम संभाल रही हैदराबाद की रामकी कंपनी अभी डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन ही कर रही है। नगर निगम के पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान के मुताबिक नई कंपनी कूड़े को शिवरी प्लांट तक पहुंचाएगी।

ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर कारोबारी से 45 लाख ठगे

लखनऊ, (संवाददाता)। साइबर जालसाजों ने नाका के रहने वाले कारोबारी हरमीत सिंह से ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 44.82 लाख रुपये ठग लिए। उन्होंने 30 दिसंबर को साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। मोतीनगर के कायमखेड़ा स्थित दिलकश रेजीडेंसी निवासी हरमीत सिंह के मुताबिक कुछ समय पहले व्हाट्सएप पर शेयर ट्रेडिंग में निवेश का मैसेज आया। इसमें दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर फोन उठाने वाले ने सैफ एजेंसी नाम से एप डाउनलोड कराया। उसने उक्त कंपनी में निवेश पर अच्छे मुनाफे का झांसा दिया। बातों में फंसाकर उनसे 12 बार में 44.82 लाख रुपये अलग–अलग खातों में जमा करा लिए। कुछ वक्त बाद बताया गया कि उन्हें 60 लाख का मुनाफा हुआ है। जब रकम निकालने का प्रयास किया तो उनको ग्रुप से बाहर कर दिया गया।

10 हजार रुपये रिश्वत लेता लेखपाल गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। सतर्कता अधिष्ठान सिंचाई कोष्ठ की टीम ने मंगलवार को सरोजनीनगर तहसील के लेखपाल विंदेश कुमार रावत को 10 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। गहरू क्षेत्र में तैनात आरोपी ग्राम समाज की जमीन की पैमाइश के लिए रकम मांग रहा था। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को कार्यालय आए पीड़ित ने बताया कि उनके घर के सामने ग्राम समाज की जमीन है। इसकी पैमाइश के लिए लेखपाल 10 हजार रुपये मांग रहा है। शिकायत की जांच के बाद टीम ने अमर मीलन मैरेज लॉन, बिजनौर रोड के पास से लेखपाल विंदेश को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। थाना सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर लखनऊ में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अफसरों का कहना है कि कोई लोकसेवक सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है तो नंबर 9454401866 पर शिकायत कर सकते हैं।

शिक्षा अधिकार होंगे दूसरे चरण के लिए आवेदन

लखनऊ, (संवाददाता)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में निशुल्क प्रवेश के लिए दूसरे चरण के आवेदन बुधवार से शुरू होंगे। इसके लिए अभिभावकों को आरटीई की वेबसाइट rte25.upsdc.gov.in पर जाना होगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रवेश ने बताया कि पहले चरण में निरस्त हुए 1122 फॉर्म वाले बच्चों के भी आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 19 जनवरी तक चलेगी। 20 से 23 जनवरी तक आवेदन का सत्यापन होगा। 24 जनवरी को लॉटरी के माध्यम से बच्चों का चयन होगा।

उपकेंद्र से 15 लाख कीमत के बिजली तार चोरी

लखनऊ, (संवाददाता)। चोरों ने सोमवार रात गोमतीनगर के विपिनखंड बिजली उपकेंद्र में रखे 15 लाख के बिजली तार के बंडल चोरी कर लिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसके अलावा तीन मकानों के ताले तोड़कर जेवर और नकदी चुरा ली। आजमगढ़ के बहदह निवासी गौरव राय आरडीएसएस योजना के तहत काम करते हैं। उनके मुताबिक शहरभर में पुराने और खुले तारों को बदलकर नए केबल लगाए जा रहे हैं। केबल को रखने का स्टोर विपिनखंड बिजली उपकेंद्र पर है। सोमवार रात चोर स्टोर रूम में रखे तार के बंडल चोरी कर डाले में लाद रहे थे। आवाज सुनकर सुरक्षाकर्मी दौड़े, पर आरोपी भाग निकले। फुटेज खंगालने पर पता चला कि चोर पांच दिनों से चोरी कर रहे थे। अब तक 10 टन केबल चोरी हो चुका है। इसकी कीमत 15 लाख रुपये है। चोरों ने दुबग्गा निवासी मनमोहन के सैदपुर स्थित मकान से रविवार दोपहर करीब ढाई बजे जेवर और 70 हजार रुपये चोरी कर लिए। निगोहां के भगवान गंज निवासी अजय कुमार के मकान से रविवार रात 27 हजार रुपये व जेवर और उनके पड़ोसी सरवन के घर से चार हजार नकदी चुरा ले गए। इसके अलावा काकोरी निवासी कुमार कमल के मकान से दो लाख नकदी और जेवर चोरी हो गए।

पॉलीक्लीनिक संचालक चला रहे थे बच्चा चोरी का गिरोह

लखनऊ, (संवाददाता)। दो दिन के नवजात को चोरी कर बेचने की साजिश का गुड़वा पुलिस ने राजफाश किया है। सोमवार को तीन महिलाओं को नवजात के साथ पकड़ा गया था। छानबीन में पता चला कि दो पॉलीक्लीनिक संचालक बच्चा चोरी का गिरोह चला रहे थे। पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपियों के पास से 1.99 लाख रुपये भी बरामद किए गए हैं। एडीसीपी उत्तरी जितेंद्र कुमार दुबे के मुताबिक माल निवासी आरती परिवार के साथ चिनहट के मल्हौर इलाके में रहती हैं। उन्होंने माल स्थित लक्ष्मी पॉलीक्लीनिक में 29 दिसंबर को नॉर्मल डिलीवरी से बेटे को जन्म दिया था। आरोप है कि लक्ष्मी पॉलीक्लीनिक की संचालक नवीपनाह गांव निवासी लक्ष्मी सिंह ने मुनेश्वर और महिलाबाद निवासी ओमवीर यादव की मदद से उन पर नवजात को बेचने का दबाव बनाया था। इसके लिए महिंगवा निवासी श्यामा देवी की मदद ली। हालांकि, आरती ने मना कर दिया और घर लौट गईं। आरती के अनुसार, सोमवार दोपहर 12 बजे वह नवजात को दिखाने टेढ़ीपुलिया चौराहा कुर्सी रोड स्थित अस्पताल जा रही थीं। चौराहे पर श्यामा मिली और अस्पताल में किसी को दिखाने आने की बात कही। अस्पताल जाते समय वह नित्यक्रिया के लिए गईं। देखभाल के लिए नवजात श्यामा को दे दिया। कुछ देर बाद लौटीं तो नवजात और श्यामा नहीं मिले। मंगलवार को अमर उजाला अखबार में बेटे का फोटो छपा देखा तो थाने पहुंचीं और पुलिस को आपबीती बताई। एडीसीपी नॉर्थ के मुताबिक चारों आरोपी बच्चा चोरी करने वाले गिरोह से जुड़े हैं। पूछताछ में श्यामा ने बताया कि मंगलवार दोपहर 2रू30 बजे मौर्या भट्ठा, नहर रोड पर मुनेश्वर नवजात को लेने आने वाला है। वह 1.99 लाख रुपये में बच्चे को बेचने वाली थी। इसके बाद मुनेश्वर उसे किसी और को मोटी रकम लेकर बेच देता। इसकी जानकारी मिलने पर दरोगा रामगोपाल यादव के साथ गुडंबा पुलिस ने मुनेश्वर व ओमवीर यादव को गिरफ्तार कर लिया। मुनेश्वर अपनी चचेरी बहन लक्ष्मी सिंह के साथ माल में पॉलीक्लीनिक चलाता है। गिरफ्तार ओमवीर की दुबग्गा में संजीवनी पॉलीक्लीनिक के नाम से अस्पताल है। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपियों ने इससे पहले कितने बच्चों को चोरी कर बेचा है। पुलिस दोनों के पॉलीक्लीनिक की भी जांच करेगी।

केजीएमयू के मार्गदर्शन में सीखेंगे प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों का मार्गदर्शन करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केजीएमयू के नर्सिंग कॉलेज को मेंटर संस्थान घोषित किया है। केजीएमयू के मीडिया सेल के फैकल्टी इंचार्ज प्रो. केके सिंह ने बताया कि नर्सिंग कॉलेज की गुणवत्ता को देखते हुए प्रदेश सरकार ने संस्थान को यह मौका दिया है। मिशन निर्मया के तहत प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की गुणवत्ता पर ध्यान देना है। इसे देखते हुए केजीएमयू को मेंटर संस्थान का दर्जा दिया गया है। संस्थान से जुड़कर अन्य नर्सिंग कॉलेज मार्गदर्शन ले सकते हैं। इसे लेकर स्टेट मेडिकल फैकल्टी की ओर से केजीएमयू से संपर्क किया गया है। अब मेंटरशिप की शुरुआत होने वाली है। केजीएमयू से जुड़ने वाले कॉलेज को मेंटरशिप के एवज में फीस चुकानी होगी। कॉलेज को केजीएमयू के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने होंगे। मेंटरशिप के बदले केजीएमयू प्रति कॉलेज एकमुश्त 15 हजार रुपये फीस के साथ विशेषज्ञों के भ्रमण का खर्च लेगा। केजीएमयू एशिया का सबसे ज्यादा बेड वाला अस्पताल है। इस कारण यहां की नर्सों का प्रशिक्षण ज्यादा बेहतर है। डॉक्टरों को भी अपने सहायक के रूप में किस तरह की नर्स चाहिए, इसके लिए वे सीधे प्रशिक्षित कर सकते हैं।

जश्न मनाने निकले चार दोस्त, बेकाबू एसयूवी पलटी, एक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी में मंगलवार रात शहीद पथ पर ओवरटेक के दौरान एसयूवी एक कार से टकरा गई। अनियंत्रित एसयूवी डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में एसयूवी चालक महेंद्र रावत (32) की मौत हो गई। गोसाईगंज के अमेठी करबा निवासी अश्वनी रावत, दोस्त अकील व धर्मपाल घायल हो गए। चारों दोस्त नए साल का जश्न मनाने निकले थे। अश्विनी रावत प्लॉटिंग का काम करते हैं। मंगलवार शाम वह अकील, धर्मपाल व चालक महेंद्र रावत के साथ एसयूवी से नए वर्ष पर आयोजित पार्टी में शामिल होने गोमती नगर पहुंचे थे। रात करीब 11 बजे लौटते समय ओमेक्स के पास महेंद्र कार को ओवरटेक कर आगे निकल रहे थे। तभी आगे चल रही एक कार से एसयूवी टकरा गई और डिवाइडर से भिड़कर पलट गई। हादसे में महेंद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटनास्थल पर एडीसीपी साउथ अमित कुमावत, इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ पहुंचे।

नए साल के पहले दिन भक्तों की भीड़ बना सकती है रिकॉर्ड, सभी होटल-गेस्ट हाउस हुए फुल

लखनऊ, (संवाददाता)। नववर्ष 2025 की अगवानी रामलला के दर्शन–पूजन से होगी। नए साल के पहले दिन बुधवार को राम मंदिर में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को आस्था का नजारा रामनगरी में नजर आया। रामलला व हनुमानगढ़ी के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। रामपथ से के साथ आसपास के जिलों और अन्य प्रदेशों के भी श्रद्धालु शामिल होंगे। इससे पहले मंगलवार को रामलला के दरबार में एक लाख से अधिक भक्त पहुंचे। जबकि हनुमानगढ़ी में सुबह पांच से लेकर रात नौ बजे तक दर्शन के लिए कतार लगी रही। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन ने जगह–जगह यातायात डायवर्जन लागू कर रखा है। टेढ़ी बाजार से वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया। वहीं रामघाट व लता चौक से भी चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा। पांच अगस्त वर्ष 2020 को राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद कोरोना ने यहां आने की इच्छा संजोए श्रद्धालुओं के पैरों में बेड़ी डाल दी। वर्ष 2021 भी कोरोना के साये में ही बीता। 2022 में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे थे। इसके बाद से यह संख्या बढ़ती ही गई। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से तो रोजाना 70 से 80 हजार भक्त रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस बार नया साल अयोध्या के छोटे और बड़े कारोबारियों के लिए नई उम्मीदें लेकर आया है। साल की शुरुआत में ही कारोबार को नए पंख लगने के प्रति वे पूरी तरह आश्वस्त हैं। हनुमानगढ़ी के पास प्रसाद बेचने वाले विकास गुप्त ने बताया कि नए साल से पहले ही अयोध्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। एक जनवरी को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आएंगे।

होटलों में 90 फीसदी कमरों की हो चुकी बुकिंग

अयोध्या राम मंदिर में भारी भीड़। — फोटो रू अमर उजाला।

नए साल पर अयोध्या में दर्शन–पूजन का क्रेज बढ़ा है। रामलला के दर्शन से साल की शुरुआत करने की चाहत है। साल 2025 का पहला दिन अयोध्या में बिताने के लिए होटलों के 90 फीसदी से ज्यादा कमरों की बुकिंग हो गई है। लोग अब होम स्टे और टेंट सिटी में बुकिंग का प्रयास कर रहे हैं। होटल व्यवसायी रामजी कहते हैं कि लोग नए वर्ष की शुरुआत दर्शन– पूजन से करना चाहते हैं। एक जनवरी को पूरे देश से श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है।

लेकर भक्ति पथ तक पूरे दिन श्रद्धालुओं के जयघोष गूंजते रहे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला नया साल है। इस मौके पर अयोध्या में भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। रामनगरी धार्मिक पर्यटन का हब बन चुकी है। इसका प्रमाण यह है कि पिछले 25 दिसंबर से ही रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या में रोजाना एक लाख से अधिक भक्त पहुंच रहे हैं। नए साल पर यह संख्या बढ़कर दो लाख तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। नववर्ष पर रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड भी बनने की उम्मीद है। रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन कर नए साल के पहले दिन की शुरुआत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग अयोध्या पहुंचेंगे। इसमें स्थानीय

धनयोग व हर्षण योग में होगी नए साल की शुरुआत अयोध्या। पंडित कौशल्या नंदन ने बताया कि एक जनवरी यानी साल 2025 के पहले दिन चंद्रमा और मंगल ग्रह के बीच समसप्तक योग बन रहा है। इससे साल के पहले दिन धन योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन धन योग के साथ हर्षण योग और उत्तराषाढ़ नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे नववर्ष का महत्व और भी बढ़ गया है। एक जनवरी मिथुन, सिंह, वृश्चिक समेत अन्य पांच राशियों के लिए बेहद खास रहने वाला है। साथ ही बुधवार का दिन बुद्धि, तर्क शक्ति, वाणी व संचार के कारक ग्रह बुध देव और प्रथम पूज्य भगवान गणेश को समर्पित है।

अज्ञात कारणों से लगी आग में चार बाइकें जलकर राख, चार गायों की भी झुलसकर मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रावस्ती के नासिरगंज में मंगलवार रात घर के बरामदे में खड़ी बाइक में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे बरामदे में खड़ी चार बाइकें जल गईं। वहीं, हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के ग्राम ददौरा में अज्ञात कारणों से फूस के मड़हे में लगी आग में चार गायों की झुलसने से मौत हो गई। सोनवा थाना क्षेत्र के नासिरगंज निवासी सलीम के घर के बरामदे में चार बाइक खड़ी थीं जिसमें मंगलवार रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक सभी बाइकें तथा गद्दा रजाई सहित अन्य सामान जल चुका था। मौके पर पहुंचे सोनवा थाना प्रभारी प्रशिक्षु सीओ आलोक कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक योगेश सिंह व नासिरगंज चौकी प्रभारी प्रमोद अग्निहोत्री ने स्थानीय लोगों के सहयोग से कड़ी मशक्कत कर आग को काबू किया।

घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं एक अन्य घटना में मंगलवार रात अज्ञात कारणों से हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्राम ददौरा निवासी होली राम के फूस के मड़हे में आग लग गई।

योगी सरकार के मंत्री आशीष पटेल ने कहा मेरे खिलाफ लगे भ्रष्टाचार की जांच करा ले सरकार

लखनऊ, (संवाददाता)। पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभागाध्यक्ष पद पर प्रोन्नति में अनियमितता को लेकर उठ रहे सवालों से नाराज प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने एक बार फिर अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को राजनीतिक चरित्र हनन का प्रयास बताते हुए अपने कार्यकाल में किए लिए गए सभी फैसलों की सीबीआई जांच कराने की मांग दोहराई है। हाल में ही प्राविधिक शिक्षा विभाग ने पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभागाध्यक्षों के 177 पदों को पदोन्नति से भरा था। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा की बागी विधायक पल्लवी पटेल ने पदोन्नति में अनियमितता और पिछड़ों के आरक्षण की अनदेखी करके प्रोन्नति दिए जाने का आरोप लगाया था। यही नहीं उन्होंने इस मामले में बड़े पैमाने पर लेन–देन का भी आरोप लगाया था। पल्लवी ने विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग भी उठाई थी, लेकिन अनुमति नहीं मिली तो उन्होंने विधानभवन परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास धरना भी दिया था। उस समय भी आशीष पटेल ने इस प्रकरण की जांच कराने की मांग की थी। आशीष पटेल ने विभाग के तत्कालीन प्रमुख सचिव एम देवराज की अध्यक्षता में गठित पदोन्नति समिति की संस्तुति पर पदोन्नति किए जाने का हवाला देते हुए पल्लवी के आरोपों को खारिज भी किया था। उन्होंने मंगलवार को एक बार फिर से अपने एक्स हैंडल के जरिए आशीष ने भ्रष्टाचार के आरोपों की मांग की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि सरकार चाहे तो उनकी और उनकी पत्नी केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की सांसद और एमएलसी बनने के बाद अर्जित संपत्तियों की भी जांच करा लिया जाए। मंत्री ने वर्गवार पदोन्नति सूची जारी करते हुए एक्स पर लिखा है कि ओबीसी और वंचित वर्ग के लोगों को पदोन्नति का लाभ मिलता कुछ लोगों को पच नहीं रहा है। इसलिए वह मेरे खिलाफ झूठे और तथ्यविहिन आरोप लगा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा में सामाजिक न्याय की बात करता हूं, जो कुछ लोगों को ठीक नहीं लगता है, लेकिन मैं इससे डरने वाला नहीं हूं। उन्होंने कहा है कि मेरे साथ किसी प्रकार का षडयंत्र या दुर्घटना हुई तो इसकी सारी जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स की होगी।

चकानी हरकत छोड़ें राहुल गांधी, रामजी के दर्शन कर सद्बुद्धि प्राप्त करें

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पूर्व पीएम के स्मारक को लेकर हो रही राजनीति पर राहुल गांधी और कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि बड़ा दुर्भाग्य है कि वर्ष 2025 में राहुल गांधी और कांग्रेस को सीरियस हो जाना चाहिए क्योंकि देश को उनकी जरूरत है। जब सरकार ने स्मारक सैंक्शन कर दिया। प्रधानमंत्री का वचन ही अपने आप में सैंक्शन है। प्रधानमंत्री ने कह दिया, गृह मंत्री ने कह दिया और सैंक्शन भी कर दिया। इसके बाद इन लोगों को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी या कांग्रेस ऐसे मुद्दे उठा रही है, जिनसे जनता का कोई सरोकार नहीं है। इनको जनता से जुड़े हुए मुद्दे उठाना चाहिए लेकिन अब कोई बहाना इनको नहीं मिल रहा है। पूर्व सांसद ने कहा कि कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के साथ क्या किया, उनके शव को कांग्रेस कार्यालय तक नहीं लाने दिया गया। वो चाहते थे कि केवल उनके परिवार के अलावा किसी की समाधि दिल्ली में ना बने। राहुल गांधी को अब ये बचकानी हरकत छोड़ना चाहिए। पूर्व सांसद ने कहा कि मैं चाहूंगा कि वो अयोध्या में भगवान श्रीराम का दर्शन करें। हनुमान जी का दर्शन करें और सद्बुद्धि प्राप्त करें। देश को उनकी जरूरत है। जो जरूरी हो वो मुद्दे उठाए क्योंकि विपक्ष का और राहुल जी का राजनीति में सक्रिय रहना बहुत जरूरी है।

मदरसों में दस जनवरी तक रहेगा शीतकालीन अवकाश

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के सभी मदरसे एक से 10 जनवरी तक बंद रहेंगे। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने ठंड को देखते हुए मदरसों में 10 दिन का शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। इसके साथ ही मदरसा बोर्ड ने साल 2025 की अवकाश तालिका भी जारी की है। सर्दी व गर्मी में मौसम बदलने पर जिलाधिकारी व अन्य सक्षम स्तर से घोषित होने वाले अवकाश मदरसों पर भी लागू होंगे। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से प्रदेश में करीब 16460 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं। इनमें सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त 560 मदरसे हैं। मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार आरपी सिंह ने बताया कि शीतकालीन अवकाश के साथ ही साल 2025 के अवकाश की तालिका भी जारी कर दी गई है। रमजान एक मार्च से शुरू होने की संभावना है। इसे देखते हुए मदरसों में वार्षिक अवकाश 26 फरवरी से 30 मार्च तक तय किया गया है। ईद–उल–फित्र में मदरसों में चार दिन का अवकाश रहेगा। ईद–उल–अजहा में पांच दिन, मुहर्रम में पांच दिन और शब–ए–बरात व ईद मीलादुन्नबी में 2–2 दिन मदरसे बंद रहेंगे। साप्ताहिक अवकाश शुक्रवार को रहेगा।

वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाएंगे व्यापारी

लखनऊ, (संवाददाता)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के तौर पर मनाने का फैसला लिया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि 6–7 जनवरी को दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में देश के सभी राज्यों के 150 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेता शामिल होंगे और व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के सभी कार्यक्रमों को अंतिम रूप देंगे। देशभर के 48 हजार से ज्यादा व्यापारिक संगठन इस वृहद योजना को लागू करने के लिए जुटेंगे। देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों को एक मंच पर लाने का यह प्रयास है।

अब एक क्लिक पर विद्यार्थी देख पाएंगे अपनी मार्कशीट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के एक मात्र स्वायत्त महाविद्यालय नेशनल पीजी कॉलेज के 9320 छात्र–छात्राएं अब एक क्लिक पर कहीं से भी अपनी मार्कशीट देख पाएंगे। इसके साथ वे प्रत्येक सेमेस्टर में अर्जित क्रेडिट को भी देख सकेंगे। छात्रों को एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) पोर्टल के माध्यम से डिजी लॉकर पर यह सुविधा उपलब्ध होगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।